

Exam. Code : 103203

Subject Code : 1161

B.A./B.Sc. 3rd Semester

ENVIRONMENTAL STUDIES

Paper—ESL-221

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—75

SECTION—A

Note :—Attempt any **five** questions. Each question carries **5 marks (25 Marks)**.

1. Write a note on multidisciplinary nature of environmental studies.
2. Explain water logging and salinity problems of agriculture soils.
3. Explain types of ecological successions with examples.
4. Write a note on hot-spots of biodiversity.
5. What are different control measures for the management of earthquakes in India ?
6. Explain the role of an individual in the management of solid wastes.
7. Explain different issues involved in the enforcement of Environment (Protection) Act, 1986.

SECTION—B

Note :—Attempt any **five** questions. Each question carries **10 marks (50 Marks)**.

8. Explain scope, importance and need of introducing environmental studies as a compulsory subject in an education system.
9. What are environmental effects of constructing dams ?

10. Explain threats and methods of conservation of biodiversity with examples.
11. What are the causes, effects and control measures of soil pollution ?
12. Explain causes and effects of acid rain and ozone layer depletion.
13. Write a note on human rights and value education.
14. Explain methods of wasteland reclamation with examples.
15. Describe types, characteristic features, structure and functions of a river ecosystem.

(Punjabi Version)

ਭਾਗ—ੳ

ਨੋਟ :— ਕੋਈ ਪੰਜ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਕਰੋ। ਹਰੇਕ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਦੇ 5 ਅੰਕ ਹਨ (25 ਅੰਕ)।

1. ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਧਿਐਨ ਦੇ ਬਹੁ-ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਕ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ 'ਤੇ ਨੋਟ ਲਿਖੋ।
2. ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਘਾਟ ਅਤੇ ਖਾਰੇ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਬਾਰੇ ਦੱਸੋ।
3. ਉਦਾਹਰਣਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਪਰਿਸਥਿਤਿਕ ਵਿਕਾਸਕ੍ਰਮ ਦੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਦੀ ਵਿਆਖਿਆ ਕਰੋ।
4. ਜੈਵ ਵਿਭਿੰਨਤਾ ਦੇ ਹਾਟ-ਸਪਾਟ 'ਤੇ ਇੱਕ ਨੋਟ ਲਿਖੋ।
5. ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਭੂਚਾਲਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਨਿਯੰਤਰਣ ਦੇ ਵੱਖੋ-ਵੱਖਰੇ ਉਪਾਅ ਕੀ ਹਨ ?
6. ਠੋਸ ਰਹਿੰਦ-ਖੂੰਹਦ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਬਾਰੇ ਦੱਸੋ।
7. ਵਾਤਾਵਰਣ (ਸੁਰੱਖਿਆ) ਅਧਿਨਿਯਮ, 1986 ਦੇ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਵੱਖੋ-ਵੱਖਰੇ ਮੁੱਦਿਆਂ ਬਾਰੇ ਦੱਸੋ।

भाग—अ

नोट :— कौडी पंज पृसुन करु। हरेक पृसुन दे 10 अंक हन
(50 अंक)।

8. ईक सिंखिआ पृणाली विंच लल्लमी विसु वसुं वलतलवरुठ अणिलैठ नुं सुरु करन दी गुंजललसु, महुंउतल अउे जलरुउत बलरे दुंसु।
9. डैम बलललुठ दे वलतलवरुठी पृबलव की हन ?
10. उदलहरुठलं दे नलल नैव वलडुंनतल दे बललल दे खतरे अउे दुंगलं दी वलललललल करु।
11. मलंठी पृदुसुठ दे कलरन, पृबलव अउे नललंउरुठ दे उलपलल की हन ?
12. अमली वरुखल अउे उंनैठ पलरुत दी कमी दे कलरनलं अउे पृबलवलं बलरे दुंसु।
13. महुंखी अणलकलरलं अउे महुंउवपूरुठन सिंखललल 'उे ईक नुठ ललखे। <http://www.gnduonline.com>
14. उदलहरुठलं दे नलल बंनर डुमी दी मुत वरुतुं दे दुंगलं नुं दुंसु।
15. ईक दरललल पलरलसलडतकी उंउत दीललं कलसमलं, वलसुसुतलवलं, संरुलनल अउे कलरनलं दल वरुठल करु।

(Hindi Version)

भाग—क

नोट :— कलनहीं पलंच प्रलनलं कु करुं। प्रतुके प्रलन के 5 अंक हं
(25 अंक)।

1. पलवलरणीय अधुयन के बहु-वलषुयक प्रकृति पर नुठ ललखुं।
2. कृषल मृदल की जल भरलव अउे लवणतल की सलसुसुललं की वुललललल करुं।
3. उदलहरुठलं के सलथ पलरलसुथलतलकी वलकलसकुरल के प्रकलरुं की वुललललल करुं।

4. जैव वलवलधतल के हलुठ-सुपुठ पर एक नुठ ललखुं।
5. भरलत में भुकुंणुं के प्रबुंधन के ललल नललंउरण के अलल-अलल उपलय कुल है ?
6. ठुस कलरे के प्रबुंधन में एक वुलकल की भूमलकल कु सलसुलललल।
7. पलवलरण (संरुलण) अधलनलयम, 1986 के प्रवुलन में शलमलल वलभलनन सुदुं की वुलललल करुं।

भाग—ख

नोट :— कलनहीं पलंच प्रलनलं कु करुं। प्रतुके प्रलन के 10 अंक हं
(50 अंक)।

8. एक शलकल प्रणलली में अनलवलरुय वलषुय के रूड में पलवलरणीय अधुयन शुुरु करुने की गुंजलललल महतव अउे आवलषुयकतल की वुललललल करुं।
9. बलंधुं के नलरुमलण के पलवलरणीय प्रभलव कुल है ?
10. उदलहरुठलं के सलथ जैव वलवलधतल के संरुलण के खतरुं अउे तरुलकुं की वुललललल करुं।
11. मृदल प्रदुषण के कलरण, प्रभलव अउे नललंउरण के उपलय कुल है ?
12. अमुलीय वरुषल अउे ओकुन परत की कमी के कलरणुं अउे प्रभलवुं के बलरे में बतललं।
13. मलनवलधलकलर अउे मूलुय शलकल पर एक नुठ ललखुं।
14. उदलहरुठलं के सलथ बंनर भूमल के पुनरुवसुन के तरुलके बतललं।
15. एक नदी पलरलसुथलतलकी तंउ के प्रकलर, वलशलषुठ वलशुषतललं, संरुलनल अउे कलरुं कल वरुणन करुं।